>

Title: Need to set up a new fertilizer plant in place of the existing plant of Fertilizer Corporation of India Limited at Gorakhpur.

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर): अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से उत्तर प्रदेश के किसानों की समस्या की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। उत्तर प्रदेश गन्ना उत्पादन में अग्रणी प्रदेश रहा है लेकिन दुर्भाग्य से आज वह पिछड़ता जा रहा है। उत्तर प्रदेश जो कभी शुगर उत्पादन का कटोरा माना जाता था, सात सरकारों की उपेक्षा के कारण कोओपरेटिव्ज क्षेत्र की मिलें कुछ तो बंद हो गयी हैं और कुछ बंदी के कगार पर हैं। तमाम मिलों पर गन्ना किसानों का करोड़ों रुपया बकाया है। मैंने सरकार को इस बारे में लिखा भी था लेकिन सरकार का एक गलत जवाब इस संबंध में आया कि चीनी मिलों पर किसी प्रकार का कोई बकाया नहीं है जबकि सभी चीनी मिलों पर 14 करोड़ रुपये से लेकर 30-40 करोड़ रुपये तक प्रत्येक चीनी मिल पर किसानों का बकाया है। एक तरफ चीनी मिलों पर गन्ना किसानों का बकाया है, दूसरी तरफ जो समर्थन मूल्य घोषित होना चाहिए था वह भी सरकार ने मात्र 40 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से बढ़ाया है। चीनी का दाम तिगुना हो गया है, 12 रुपये किलो की चीनी आज 36 रुपये किलो बिक रही है। आखिर उसी तर्ज पर गन्ने का मूल्य किसानों को क्यों नहीं मिल पा रहा है?

अध्यक्ष महोदया : योगी आदित्यनाथ जी, आपने नोटिस तो कुछ और दिया है और आप बोल कुछ और रहे हैं।

योगी आदित्यनाथ : किसानों पर नोटिस होगा।

अध्यक्ष महोदया : अब आप देखकर आइये, फिर बोलिये। आपका इश्यू खत्म हो गया।

योगी आदित्यनाथ : मैं अपने मूल विषय पर आ रहा हूं।

अध्यक्ष महोदया : नहीं, आप इतना इधर-उधर घूम रहे हैं और फिर कह रहे हैं कि मूल विषय पर आ रहा हूं।

श्री दारा सिंह चौहान (घोसी): मैडम, महात्मा लोग तो इधर-उधर घूमते ही रहते हैं।

योगी आदित्यनाथ : मैडम, मेरा विषय वही है। गन्ना किसानों की समस्या..

अध्यक्ष महोदया : आपने नोटिस गन्ना किसानों पर नहीं दिया है।

योगी आदित्यनाथ : मैडम, मैंने क्वैश्चयन आवर सरपेंशन का नोटिस इस पर दिया था और मैंने एलपीजी से संबंधित जीरो-आवर का नोटिस दिया था। ...(व्यवधान) मैं सरकार से मांग करना चाहता हूं कि गन्ना किसानों को गन्ने के मूल्य का पूर्ण भुगतान किया जाए और जो उनका बकाया है उसका भी भुगतान किया जाए।

अध्यक्ष महोदया : आप अब बैठ जाएं, आपकी बात पूरी हो गयी है, अब आपकी बात समाप्त हो गयी है। श्री कामेश्वर बैठा। -उपस्थित नहीं।